No. of Printed Pages : 3

MSK–005

स्नातकोत्तर कला उपाधि

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम. एस. के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र में ***तीन*** *खण्ड हैं।*

(iii) प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×5=50

(क) अथर्ववेद संहिता का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रतिपाद्य वस्तु को स्पष्ट कीजिए।

(ख) आरण्यकों के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए।

(ग) ईशोपनिषद् पर अपने विचार को स्पष्ट कीजिए।

(घ) वेदांग किसे कहते हैं ? वेदांग के महत्व को समझाइए।

(ङ) धर्मसूत्र को विस्तारपूर्वक समझाइए।

(च) यज्ञ के तात्पर्य को स्पष्ट करते हुए प्रमुख विभागों का वर्णन कीजिए।

(छ) वेदकालीन संस्कृति को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित मंत्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) अग्निहोता कविक्रतः सव्यश्चित्रश्रवस्तमः देवो देवेभिरा गमत।

(ख) ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद बाहू राजन्यः कृतः।
उरु तदस्य यद्वैश्यः पद्भ्यां शूद्रो अजायत॥

(ग) समानी प्रपा सह वोऽन्नभागः समाने योक्त्रे सह वो युनज्मि।
समय अचोऽग्निं सपर्यतारानाभिमि वाथितः॥

(घ) यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वतः।
वसन्तो अस्यासीदाव्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ कीजिए : $5\times3=15$

(क) रामायणी संस्कृति

(ख) वानप्रस्थ आश्रम के मुख्य उद्दश्य

(ग) गृहस्थाश्रम के कर्त्तव्य

(घ) संन्यासी के कर्त्तव्य

(ङ) धर्म

(च) वर्ण-व्यवस्था

(छ) षोडश संस्कार

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : $7\frac{1}{2}+7\frac{1}{2}$

(क) स्तेनाद्यन्नतोपश्च

(ख) सपितदोः करुन

(ग) सख्युर्य

(घ) कालसमयवेलासु तुमुन

(ङ) 'वा छन्दसि'